पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–10 31 मई, 2025

खल अघ अगुन साधु गुन गाहा। उभय अपार उदधि अवगाहा।।
तेहि तें कछु गुन दोश बखाने। संग्रह त्याग न बिनु पहिचाने।।

दुष्टों के पापों और अवगुणों की और साधुओं के गुणों की कथाएँ–दोनों ही अपार और अथाह समुद्र है। इसी से कुछ गुण और दोषों का वर्णन किया गया है, क्योंकि बिना पहचाने उनका ग्रहण या त्याग नहीं हो सकता।

–श्रीरामचरितमानस (बालकाण्ड/1)

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-4/2025/405100 दिनांक 22.05.2025 के अनुसार **प्रो. मोनिका मकवाना** ने 19.05.2025 से संस्थान के स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-10 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. मोनिका मकवाना को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/403838 दिनांक 19.05.2025 के अनुसार **प्रो. सुगत चतुर्वेदी** ने 14.05.2025 से संस्थान के स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. सुगत चतुर्वेदी को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/403856 दिनांक 19.05.2025 के अनुसार **प्रो. गौरव चोपड़ा** ने 13.05.2025 से संस्थान के अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. गौरव चोपड़ा को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/403852 दिनांक 19.05.2025 के अनुसार **प्रो. आयुष कांत** ने 13.05.2025 से संस्थान के जैव चिकित्सा इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. आयुष कांत को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/406299 दिनांक 26.05.2025 के अनुसार **प्रो. दीपक कुमार कामदे** ने 19.05.2025 से संस्थान के सिविल इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. दीपक कुमार कामदे को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-4/2025/403794 दिनांक 19.05.2025 के अनुसार **प्रो. विनय सुहालका** ने 15.05.2025 से संस्थान के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-10 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. विनय सुहालका को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-4/2025/403786 दिनांक 19.05.2025 के अनुसार **प्रो. राकेश चतुर्वेदी** ने 15.05.2025 से संस्थान के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग मे सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-13ए2 में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित संकाय/स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 मई, 2025 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

प्रो. आर.एस. रेंगासामी, प्रोफेसर, वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग

प्रो. रेंगासामी ने 21.07.1997 में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। 24.01.2005 में आपको को सह प्रोफेसर तथा 03.12.2010 में प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया।

प्रो. रेंगासामी ने 1997 में आई.आई.टी. दिल्ली के वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए और 28 वर्षों तक संस्थान में सेवा कीं। आपने 2020 से 2022 तक विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। इससे पहले आपने अन्ना विश्वविद्यालय और क्योटो विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं प्रदान की। आपके शिक्षण के क्षेत्रों में मुख्य रूप से यार्न, कपड़ा संरचनाओं के निर्माण और गुण, मशीनों की यांत्रिकी, नॉनवॉवन और लागत निर्धारण शामिल रहे है। आपका शोध कार्य तेल रिसाव की स्थायी सफाई, ध्वनि अवशोषित सामग्री, कपड़ों में गीलापन और विकिंग और अत्यधिक ठंडी जलवायु वाले कपड़ों पर केंद्रित रहा है। आपने 20 करोड़ से अधिक की शोध परियोजनाओं का संचालन किया है। आपकी टीम ने डी.आर.डी.ओ. से प्रायोजित परियोजना के माध्यम से सियाचिन ग्लेशियर में तैनात सैनिकों के लिए ई.सी.डब्ल्यू.सी. विकसित किया है। वर्तमान में ई.सी. डब्ल्यू.सी. तकनीक को एक टीओटी परियोजना के माध्यम से तीन उद्योगों में स्थानांतरित किया जा रहा है। आई.आई. टी. दिल्ली में आपके कार्यकाल के दौरान आपने 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए और सम्मेलनों में भी आपने कई शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। आप पुस्तक, अध्याय, मोनोग्राफ लेखन और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए समीक्षा पत्र लेखन में सक्रिय रहे हैं। आपने कई पीएच.डी. और एम.टेक थीसिस का मार्गदर्शन किया है। आपने भारत में कई अन्य संस्थानों के बी. ओ.एस. और संकाय चयन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है।

मृदु स्वभाव के प्रो. रेंगासामी अपने संकाय सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय रहे हैं।

श्रीमती सीता देवी (50762), ग्रुप 'डी' अटेन्डेन्ट, भण्डार एवं क्रय अनुभाग

श्रीमती सीता देवी ने 19 फरवरी, 2004 को संस्थान में ग्रुप 'डी' अटेन्डेन्ट के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 19 फरवरी, 2014 में आपको आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत 5200-20200/-रू. ग्रेड वेतन 2000/रू. में उन्नयन दिया गया। 19 फरवरी, 2024 में आपको आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत 2400/रू. के ग्रेड वेतन में में उन्नयन दिया गया। श्रीमती सीता देवी एक मेहनती एवं कर्मठ अटेन्डेन्ट रही हैं।

श्रीमती कुसुम लता (50312), माली, निर्माण संगठन अनुभाग

श्रीमती कुसुम लता ने 02 सितम्बर, 1992 को संस्थान में ग्रुप 'डी' अटेन्डेन्ट के रूप में वेतनमान 750-940/–रू. में कार्यभार ग्रहण किया। 01 अक्टूबर, 1997 को आर. ऐन्ड सी.डी. एस. के अन्तर्गत 4440-7440/–रू. के वेतनमान में चयनित किया गया तथा इसी योजना के अंतर्गत आपको 01 सितम्बर, 2008 में 5200–20220 ग्रेड वेतन 1900/–रू. में उन्नयन दिया गया। 02 सितम्बर, 2012 में आर. ऐन्ड पी. आर.एस. के अन्तर्गत 2000/–रू. ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया। 02 सितम्बर, 2022 में आर.ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत आपको लेवल–4 में उन्नयन दिया गया। मिलनसार व्यक्तित्व की श्रीमती कुसुम लता कर्मठ एवं योग्य माली रही है।

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय/स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/408350 दिनांक 30.05.2025 के अनुसार **डॉ. ऋषि कांत सिंह** पोस्ट–डॉक्टरल फेलो (कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 31.03.2024 को स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. ऋषि कांत सिंह को 31.03.2024 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया हैं।

पुनर्नियुक्ति

प्रो. आर.एस. रेंगासामी (वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत तक अर्थात् 30.06.2025 तक के लिए वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग में प्रोफेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

खानपान में सूजन कम करने वाले आहार हृदय रोग से बचाव में फायदेमंद

देश में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज के साथ हृदय रोगियों की संख्या भी बढ़ रही है। कम उम्र में ही लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। इसका कारण खराब खानपान है। एम्स के कार्डियोलाजी विभाग के डाक्टरों के अनुसार यदि भोजन में पालक, मेथी, सरसों का साग, बथुआ व अन्य पत्तीदार व हरी सब्जियों, लहसुन, प्याज, गाजर आदि का अधिक सेवन करें तो हृदय रोग से बच सकते हैं। हृदय की धमनियों की बीमारी से पीड़ित 57 मरीजों पर हुए अध्ययन में यह सामने आया। चिकित्सकों ने इन मरीजों के लिए विशेष डाइट चार्ट (आइएएमडी इंडियन एडाप्टेड मेटिटैरेनियन डाइट) तैयार किया था, जिसके परिणाम सकारात्मक पाए गए।

एम्स के डॉक्टरों का यह अध्ययन जर्नल ऑफ अमेरिकन कालेज ऑफ कार्डियोलाजी में प्रकाशित हुआ है। दो दिन पहले अमेरिकन कालेज ऑफ कार्डियोलोजी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी एम्स के कार्डियोलाजी विभाग के प्रोफेसर डा. अंबुज राय ने इसे प्रस्तुत किया। बताया कि देश में लोग संतुलित व पौष्टिक आहार नहीं लेते। खानपान में अनाज अधिक होता है। कार्बोहाइड्रेट ज्यादा होता है। मैदा से बनी ब्रेड, समोसा, नूडल्स इत्यादि व तली हुई चीजें खाते हैं।

- एम्स के डॉक्टरों ने सूजन रोधी आइएएमडी आहार तैयार कर हृदय रोगियों पर किया अध्ययन।
- बीएमआइ, शुगर, कोलेस्ट्रोल और शरीर में सुजन वाले मार्कर कम करने में पाया गया असरदार।

भूमध्यसागरीय क्षेत्र में पत्तियों वाली सब्जियों, मौसमी फलों, लहसुन, प्याज, मछली, डेरी उत्पाद आदि का सेवन अधिक होता है। ये एंटीआक्सीडेंट व सूजन रोधी होते हैं। इसके मद्देनजर भारतीयों के अनुकूल आइएएमडी आहार की सूची तैयार कर मरीजों को सेवन करने के लिए कहा गया। तीन माह बाद पाया गया कि डायट्री इन्फ्लेमेट्री इंडेक्स (डीआइआइ) में कमी आई। मरीजों ने बताया कि खानपान में उसे शामिल करना और घर में बनाना आसान है। 83 प्रतिशत मरीजों ने बताया कि डाक्टरों की सलाह पर ऐसे 50 प्रतिशत खानपान का इस्तेमाल किया। अध्ययन में शामिल मरीजों की औसत उम्र 52 वर्ष थी और 49 प्रतिशत मरीजों को डायबिटीज थी। तीन माह तक आहार का सेवन करने के बाद मरीजों का एचबीए1सी कम हुआ है। बाडी मास इंडेक्ट भी 25.3 से घटकर 24.7 कि.ग्रा. प्रति वर्ग मीटर हो गया। कोलेस्ट्रोल और शरीर में सुजन वाले आइएल–6 मार्कर कम हुए। मोटापा, शुगर, कोलेस्ट्रोल व सूजन कम करने में मदद मिली। ध्रेलिन हार्मोन काफी कम हुआ, जिसे भूख के लिए जिम्मेदार माना जाता है। वहीं, आहार में प्रोटीन, विटामिन सी, ई व डी, फोलेट्स इत्यादि जैसे पोषक तत्व बढ़े कार्बोहाइड्रेट व सैचुरेटेड फैट कम हुआ। डॉ. अंबुज राय ने बताया कि अध्ययन में पाया कि लोग चाहें तो इसका इस्तेमाल आसानी से कर सकते हैं। अब इसका क्लीनिकल ट्रायल भी शुरू किया गया है।

आहार में पालक, मेथी, सरसों का साग, बथुआ जैसे पत्तिदार सब्जी, हरी सब्जियां, लहसून, प्याज, गाजर, चुकंदर, पनीर, मिक्स सब्जी, दाल, कुट्टू का हलवा, धनिया, पुदिना, सेव व चुकंदर का रायता, मौसमी फल, अंडा, मछली, चिकेन शामिल किया गया।

आहार से मरीजों में बढ़े पोषक तत्व

पोषक तत्व	अध्ययन से पहले	अध्ययन के बाद
प्रोटीन (ग्राम)	68.63	74.91
फोलेट्स (ग्राम)	311.54	402.6
विटामिन सी (माइक्रोग्राम)	154.77	166.12
रेटिनोल (माइक्रोग्राम)	66.07	106.29
विटामिन ई (एमजी)	2.73	4.92
ओमेगा–6 फैटी एसिड (ग्राम)	11.91	14.43
ओमेगा–3 फैटी एसिड (ग्राम)	2.02	2.38

साभार–दैनिक जागरण
दिनांक : 1 अप्रैल 2025

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत अनिवार्य रुप से द्विभाषी जारी किए जाने वाले कागजात

1 सामान्य आदेश / General Orders
2 संकल्प / Resolution
3 परिपत्र / Circulars
4 नियम / Rules
5 प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन / Administrative or other reports
6 प्रेस विज्ञप्तियाँ / Press Release / Communiques
7 संविदाएँ / Contracts
8 करार / Agreements
9 अनुज्ञप्तियाँ / Licences
10 निविदा प्रारुप / Tender Forms
11 अनुज्ञा पत्र / Permits
12 निविदा सूचनाएँ / Tender Notices
13 अधिसूचनाएँ / Notifications
14 संसद के समक्ष रखे जाने वाले / प्रतिवेदन तथा कागज पत्र / Reports and documents to be laid before the Parliament

राजभाषा हिन्दी के अनुसार राज्यों का वर्गीकरण

क्षेत्र क– बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ख– गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ग– खंड (1) और (2) में निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र।

''संस्थान में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए अनुवाद टूल्स एवं सॉफ्टवेयर'' पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला

संस्थान का हिन्दी कक्ष भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए 30 मई, 2025 (शुक्रवार) को संस्थान में ''राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए अनुवाद टूल्स एवं सॉफ्टवेयर पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन कम्प्यूटर लैब (LHC-502) में किया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के नोडल अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित ~35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का प्रारम्भ करते हुए डॉ. नीरज चौरसिया, अध्यक्ष, (हिन्दी कक्ष) ने उप निदेशक (प्रचालन), कुलसचिव श्री अतुल व्यास, अतिथि वक्ता श्री केवल कृष्ण, श्री कुमार सौरभ (सहायक कुलसचिव, हिन्दी कक्ष) तथा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्थान का हिन्दी कक्ष इस तरह की कार्यशालाएं निरंतर करता रहता है। आज की इस कार्यशाला का उद्देश्य स्टाफ सदस्यों को हिंदी में कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करना है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में हिन्दी में कार्य करने के लिए कई सारे ई–टूल्स एवं सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। इनके प्रयोग से आज हिन्दी में कार्य करना और भी आसान कर दिया है। इस कार्यशाला में आज हम भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ (मेमोरी आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर) के साथ–साथ कई अन्य ई–टूल्स के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा उनको कंप्यूटर पर इंस्टाल करके व कार्य करके देखेंगे। आज की कार्यशाला में आप हिंदी में कार्य करने में आ रही अपनी समस्याओं का समाधान कर सकेंगे तथा कुछ नया भी सीख सकेंगे। आपने अतिथि वक्ता का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि श्री केवल कृष्ण, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (NIC) नई दिल्ली से वरिष्ठ तकनीकी निदेशक के पद पर लंबे समय तक कार्यरत रहे। आपको भाषाई मानकीकरण तथा भाषाई तकनीकी के क्षेत्र में एक लंबा अनुभव है। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन में आपका विशेष योगदान रहा है।

श्री अतुल व्यास, कुलसचिव ने अपने संबोधन में कहा कि आज तकनीकी की सहायता से अपना कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करना पहले से आसान हो गया है, हमें केवल प्रयास करने की आवश्यकता है। श्री केवल कृष्ण जी एक बहुत ही अच्छे और अनुभवी शिक्षक है। इनके समझाने का तरीका बहुत ही सहज है।

आज की इस कार्यशाला से आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। आपने कहा कि कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को अपने कार्यालयीन कार्य में अवश्य प्रयोग में लायें तभी कार्यशालाओं का उद्देश्य सार्थक होगा।

विभिन्न ई–टूल्स पर व्यापक चर्चा करते हुए श्री केवल कृष्ण जी ने अनुवाद टूल्सः भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ राजभाषा पर जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों ने इसका प्रैक्टिकल करके देखा। आपने यूनिकोड तथा गूगल वॉयस टाइपिंग, फोनेटिक एवं रेमिंग्टन टाइपिंग, तथा राजभाषा विभाग द्वारा विकसित विभिन्न ई–टूल्स की जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों की समस्याओं को दूर कर तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। आपने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्य की संक्षिप्त जानकारी भी कर्मचारियों को दी। आपने कहा कि हिन्दी सीखने के लिए लीला सॉफ्टवेयर एवं प्रवीण, प्रबोध, प्रज्ञा आदि उपलब्ध है।

डॉ. नीरज चौरसिया ने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को सभी प्रतिभागी अपने अन्य साथियों के साथ साझा करेंगे तथा इस ज्ञान को अपने दैनिक कार्यालयीन कार्य में प्रयोग में लाकर संस्थान में राजभाषा हिन्दी के कार्य को करने में भागीदारी करेंगे।

अंत में श्री कुमार सौरभ, सहायक कुलसचिव (हिन्दी कक्ष) ने अतिथि वक्ता श्री केवल कृष्ण, श्री अतुल व्यास (कुलसचिव) तथा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कार्यशाला का समापन किया।